त्योहारों से पहले चीनी की सप्लाई बढ़ाएगी सरकार!

[ईटी ब्यूरो *पुणे & नई दिल्ली*]

फूड मिनिस्ट्री रीटेल प्राइस कंट्रोल करने के लिए मार्केट में चीनी की सप्लाई बढ़ाने की सोच रही है। सरकार आगामी फेस्टिवल सीजन को देखते हुए यह कदम उठा सकती है। त्योहारी सीजन में शुगर की डिमांड बढ़ जाती है। सरकार पहले ही 2.66 लाख टन शुगर रिलीज कर चुकी है। यह जुलाई-सितंबर के लिए जरूरी 45 लाख टन के कोटे से अलग है।

पिछले डेढ़ महीने में होलसेल मार्केट में शुगर की कीमत 10 रुपए किलो तक बढ़ गई है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे जैसे हालात बने हैं। इससे गन्ने की पैदावार में कमी आने का डर है। इस वजह से मेट्रो शहरों में चीनी की खुदरा कीमत 40 रुपए किलो से ज्यादा हो गई है। इंडस्ट्री एग्जिक्यूटिव्स ने बताया, 'करीब 20 लाख टन शुगर अनलिफ्टेड लेवी शुगर के रूप में ब्लॉक है। अगर सरकार खुले बाजार में इसे रिलीज करने का फैसला करती है, तो कम से कम 5 लाख टन शुगर की सप्लाई तुरंत बढ़ सकती है। इससे इसकी कीमतों को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी।'

हालांकि, पिछले 4-5 दिनों से शुगर की कीमत कम हो रही है। प्रॉफिट बुकिंग और सरकार की ओर से सप्लाई बढ़ने की आस के चलते मंगलवार को भी इसकी कीमतों में कमी आई। बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया, 'पिछले 4-5 दिनों में वाशी मार्केट में चीनी की थोक कीमत 1.5 रुपए किलो तक कम हुई है। अगर सरकार इस मौके पर एडिशनल कोटे का एलान करती है, तो दाम में और 1-2 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है।'

प्राइस कंट्रोल के लिए मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (एनसीडीईएक्स) ने सोमवार से शुगर के मार्जिन में बढ़ोतरी कर दी है। हालांकि, ट्रेडर्स और चीनी मिलों का कहना है कि फेस्टिवल सीजन में डिमांड बढ़ेगी। वहीं, महाराष्ट्र में शुगर प्रोडक्शन कम होने की आशंका है। ऐसे में आगे भी इसकी कीमतों में मजबूती बनी रह सकती है। एक अनुमान के मुताबिक, महाराष्ट्र में शुगर प्रोडक्शन 20 लाख क्विंटल तक घट सकता है।

महाराष्ट्र के बारामती की मालेगांव शुगर को-ऑपरेटिव के मैनेजिंग डायरेक्टर एस एम तवारे के मुताबिक, 'इस समय शुगर की एक्स-मिल कीमत 35 रुपए किलो है। यह किसानों और मिलों दोनों के लिए ही अच्छा है। पिछले कुछ दिनों में शुगर की कीमतों में कुछ गिरावट आई है, लेकिन महाराष्ट्र में गन्ने की पैदावार में कमी की आशंका से इसमें मजबूती बनी रह सकती है।'

चीनी के दाम बढ़ने के बावजूद इसके एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगने का डर नहीं है। डोमेस्टिक मार्केट में चीनी की कीमत बढ़ने के बाद पहले ही एक्सपोर्ट में कमी आ चुकी है। एम्पावर्ड ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने 20 लाख टन शुगर एक्सपोर्ट की इजाजत दी थी। अभी तक करीब 15 लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट किया जा चुका है या उसका कॉन्ट्रैक्ट हो चुका है।

आपूर्ति सुधारने में जुटी सरकार

त्योहारी सीजन में देश में शुगर की डिमांड काफी बढ़ जाती है। इसे देखते हुए सरकार पहले ही 2.66 लाख टन शुगर रिलीज कर चुकी है। यह जुलाई-सितंबर के लिए जरूरी 45 लाख टन के कोटे से अलग है